भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

ल खत प्रश्न सं. 3661

सोमवार, 08 अगस्त, 2022/17 श्रावण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर प्रदेश के ऐतिहा सक जिलों का वकास

3661. श्री घनश्याम संह लोधी:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार की उत्तर प्रदेश के ऐतिहा सक जिलों को वक सत करने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो कभी भारतीय इतिहास का गौरव माने जाने वाले रामपुर जिले के लए सरकार द्वारा क्या योजनाएं तैयार की जा रही हैं;

(ग) क्या सरकार की रामपुर जिले में राठौड़ा गांव, भमरौआ गांव और पंजाब नगर गांव में स्थित पांडवों के समय के भगवान शव के तीन मंदिरों को पर्यटन स्थल के रूप में वक सत करने की कोई योजना है, जिसमें रजा पुस्तकालय, महात्मा गांधी समा ध स्थल तारामंडल, कोसी नदी के बांध पर कले और झील के निर्माण कार्य शा मल हैं ; और

(घ) यदि नहीं, तो सरकार का उक्त स्थानों को पर्यटन स्थल के रूप में कब तक वक सत करने का वचार है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन' (एसडीएस), 'तीर्थ यात्रा जीर्णोद्धार, आध्यात्मिक, वरासत संवर्धन अ भयान संबंधी राष्ट्रीय मशन' (प्रशाद) और 'केन्द्रीय एजें सयों को सहायता' योजनाओं के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के वकास के लए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजें सयों को वत्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजें सयों के परामर्श से की जाती है और नि धयों की उपलब्धता, उपयुक्त वस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी की गई नि धयों के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृति प्रदान की जाती हैं।

ऐतिहा सक स्थलों सहित उत्तर प्रदेश में उपर्युक्त योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के ब्यौरे अनुबंध में दिए गए हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने अब स्वदेश दर्शन **2.0 (**एसडी **2.0)** के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को संशो धत कया है **,** जिसका उद्देश्य एक पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और महत्वपूर्ण गंतव्यों को वक सत करना है। उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से एसडी **2.0** और प्रशाद योजनाओं के दिशा-निर्देशों के अनुरूप रामपुर के वकास के लए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। तथा प **,** उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से प्राप्त अनुरोध के अनुसार अयोध्या को प्रशाद योजना के अंतर्गत शा मल कया गया है।

****

अनुबंध

उत्तर प्रदेश के ऐतिहा सक जिलों का वकास के संबंध में दिनांक 08.08.2022 के लोक सभा के ल खत प्रश्न सं. 3661 के भाग (क) से (घ) के उत्तधर मेंववरण

स्वदेश दर्शन, प्रशाद और केन्द्रीय एजें सयों को सहायता योजनाओं के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा।

स्वदेश दर्शन

(करोड़ रुपये में)

क्र. सं.	परिपथ/ स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत रा श
1.	बौद्ध परिपथ 2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर, और क पलवस्तु का वकास	87.89
2.	रामायण परिपथ 2016-17	चत्रकूट और श्रृंगवेरपुर का वकास	69.45
3.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	अहर – अलीगढ़ – कासगंज - सरोसी (उन्नाव) – प्रतापगढ़ – कौसंबी – मर्जापुर – गोरखपुर – डोमरियागंज – बस्ती – बाराबंकी – आजमगढ़ – कैराना – बागपत - शाहजहांपुर का वकास	71.91
4.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	बिजनौर – मेरठ – कानपुर - कानपुर देहात – बांदा – गाजीपुर – सलेमपुर – घोसी – ब लया - अंबेडकर नगर – अलीगढ़ – फतेहपुर – देवरिया – महोबा – सोनभद्र – चंदौली – म श्रख - भदोही का वकास	67.51
5.	वरासत परिपथ 2016-17	का लंजर कले (बांदा)- मगहरधाम (संतकबीर नगर) - चौरीचौरा , शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुआर शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का वकास	33.97
6.	रामायण परिपथ 2017-18	अयोध्या का वकास	127.21
7.	आध्यात्मिक परिपथ	जेवर – दादरी – सकंदराबाद – नोएडा – खुर्जा - बांदा का वकास	12.03

	2018-19		
8.	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीप न मंदिर (बलरामपुर) और वटवशनी मंदिर (डोमरियागंज) का वकास	15.76
9.	मार्गस्थ सु वधाएं 2018-19	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश और बिहार में वाराणसी - गया ; कुशीनगर – गया - कुशीनगर में मार्गस्थ सु वधाओं का वकास	15.07

प्रशाद

(करोड़ रुपये में)

क्र. सं.	स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत रा श
1.	2014-15	मथुरा-वृंदावन का मेगा टूरिस्ट स र्कट के रूप में वकास (चरण **-II)**	14.93
2.	2014-15	वृन्दावन, जिला मथुरा में पर्यटक सु वधा केन्द्र का निर्माण।	9.36
3.	2015-16	वाराणसी का वकास -चरण -**I**	20.40
4.	2017-18	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन	10.72
5.	2017-18	वाराणसी का वकास- चरण**-II**	44.60
6.	2018-19	गोवर्धन, मथुरा में बुनियादी सु वधाओं का वकास	39.74

केंद्रीय एजें सयों को सहायता

(करोड़ रुपये में)

क्र. सं.	स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत रा श
1.	2019-20	राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 1 और 2 पर रिवर क्रूज के चढ़ने/उतरने के नौ (09) मुख्य बिंदुओं (वाराणसी , इलाहाबाद-**I**, और इलाहाबाद-**II** सहित) पर जेटी के वकास के लए सीएफए	28.03

****